Bihar Board Class 6 Social Science History Notes Chapter 5 प्रारंभिक शहर प्रथम नगरीकरण

पाठ का सारांश

- भारतीय संस्कृति काफी पुरानी है।
- आग के आविष्कार ने उनके जीवन की राह को आसान बनाया ।
- आग से अपने भोजन को पकाकर खाने लगे, खूखार जंगली जानवरों से खुद की रक्षा की और आग तापने के लिए वे एक दूसरे के पास पहुँचे ।
- नवपाषाणयुग में मानव-संस्कृति सरल से जटिल हो गई ।
- मानव सांस्कृतिक विकास ने वन्यावस्था से ग्राम जीवन में प्रवेश किया ।
- हड़प्पा संस्कृति को हड़प्पा सभ्यता भी कहा जाता है।
- संस्कृति से तात्पर्य व्यक्ति के परिष्कृत व्यवहार से है जिसे समाज द्वारा सीखा जाता है और जिसका हस्तांतरण एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी में होता रहता है।
- पुरातत्वविदों ने अनेक नगरों का पता लगाया जिनमें मोहनजोदड़ों, कालीबांगा, बनवली, लोथल और धौलावीरा प्रमुख शहर हैं।
- खुदाईयों के आधार पर वर्तमान में 2800 हड़प्पा सभ्यता के स्थल प्रकाश में आए हैं।
- हड़प्पा सभ्यता के सभी शहरों का निर्माण लगभग 4700 साल पहले हुआ था।
- हड़प्पा सभ्यता के अधिकांश नगर दो हिस्सों में विभाजित थे।
- कुछ नगरों के नगर-दुर्ग वाले हिस्से में बड़ी इमारते और आवासीय ढांचे मिले है।
- मोहनजोदड़ों, हड़प्पा, कालिबंगन और लोथल में एक समान विशेषताओं वाली संरचनाएं मिली है।
- हड़प्पाई नगरों के घर प्रायः एक या दो मंजिलें और कुछ तीन मंजिलें भी होते थे।
- नगर ग्रिड प्रणाली के अनुसार योजनाबद्ध तरीके से बसाए गए थे जिसकी गलियाँ तथा सड़कें एक दूसरे को लगभग समकोण पर काटती थी।
- हड़प्पाई नगर गाँवों से घिरा होता था । गाँव के लोग ही शहर में रहने वाले लोगों के लिए खाने का सामान उपलब्ध कराते थे । हड़प्पा संस्कृति में व्यापार का बड़ा महत्त्व था
- हड़प्पाई लोग धरती को उर्वरता की देवी समझते थे और उनमें मातृदेवी की पूजा का खूब प्रचलन था ।
- हड़प्पा में पकी हुई मिट्टी की स्त्री-मूर्तिकाएँ भारी संख्या में मिली है।
- नगरीय जीवन पद्धति से तात्पर्य नगर में निवास करने वाले लोगों के वस्त्र, आभूषण, खान-पान, बात-चीत, संबंध व्यवहार, पेशा इत्यादि से है।

evidyarthi

https://www.evidyarthi.in/